दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 24.10.2025

प्रकाशनार्थ

गोरखपुर, 24 अक्टूबर 2025 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में 'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस' के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के भाग–दो एवं तीन के कुल 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

वाद–विवाद के विषय 'संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता तथा महत्व' पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों ने तर्को तथा संदर्भो के माध्यम से विषय के पक्ष तथा विपक्ष पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** संयुक्त राष्ट्र की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के अन्तिम समय में इसलिए किया गया कि भविष्य में विनाशक युद्धों को रोका जा सके। संयुक्त राष्ट्र सभी प्रकार के युद्धों को प्रतिबन्धित करता है। किन्तु वह अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से भले सफल न हुआ हो, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने बड़े युद्धों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की देन है कि शीत युद्ध जैसे तनावपूर्ण वातावरण में भी अमेरिका तथा सोवियत सघ प्रत्यक्ष युद्ध में उलझने से बचते रहे। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र ने तीसरी तथा चौथी दुनियाँ के देशों को मंच प्रदान किया। जिसके माध्यम से वह अपनी समस्याओं तथा विचारों से पूरी दुनियॉ को अवगत करा सके।

उक्त कार्यक्रम के अवसर पर रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने युद्धों पर अंकुश लगाने के साथ–साथ विकासशील एवं तृतीय विश्व के देशों के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र के सामाजिक तथा आर्थिक परिषद तथा 'न्यास परिषद' ने राष्ट्रों के विकास में महत्पूर्ण योगदान दिया। यूनिसेफ, यू0एन0एच0सी0आर0, यू0एन0डी0पी0, यू0एन0ई0पी0 जैसे अभिकरणों के माध्यम से व्यक्तियों तथा राष्ट्रों का विकास कर अपनी प्रासंगिकता सिद्ध कर रहा है।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ0 राम प्रसाद यादव के नेतृत्व में किया गया। उनके द्वारा यह घोषणा किया गया कि प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क